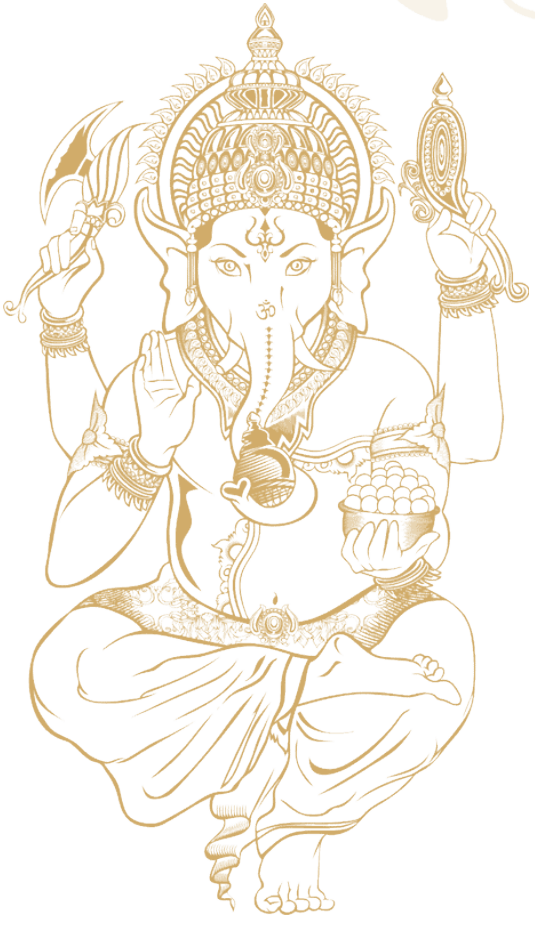

Akshit Jind

18 Apr 2005

07:40 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121628503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/04/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:40:00 घंटे**
इष्ट	34:27:07 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:17:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:39 घंटे
साम्पातिक काल	09:05:02 घंटे
सूर्योदय	05:53:09 घंटे
सूर्यास्त	18:50:20 घंटे
दिनमान	12:57:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:42:35 मेष
लग्न के अंश	16:09:05 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:09:05	307:27:55	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	04:42:35	00:58:37	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	26:22:43	12:00:04	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			मक	26:58:27	00:43:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मीन	09:26:52	00:30:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	18:09:53	00:07:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मेष	09:26:58	01:14:11	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मिथु	27:08:58	00:02:56	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मीन	28:49:29	00:00:20	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	28:49:29	00:00:20	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:33:33	00:02:31	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:24:21	00:01:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:27:08	00:00:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	19:51:38	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:44

लग्न-चलित

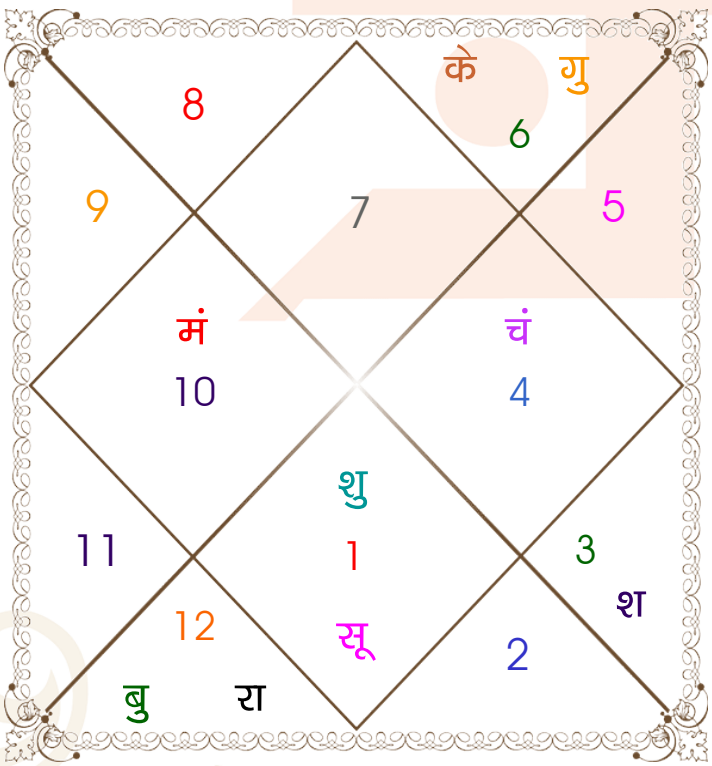

चन्द्र कुंडली

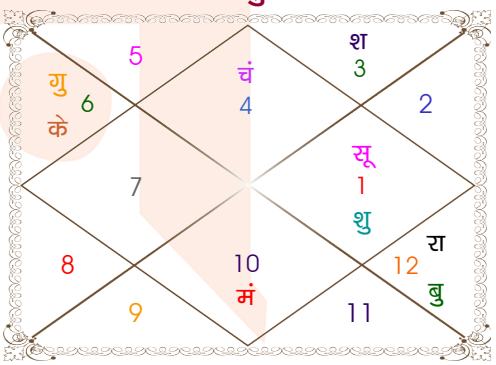

नवमांश कुंडली

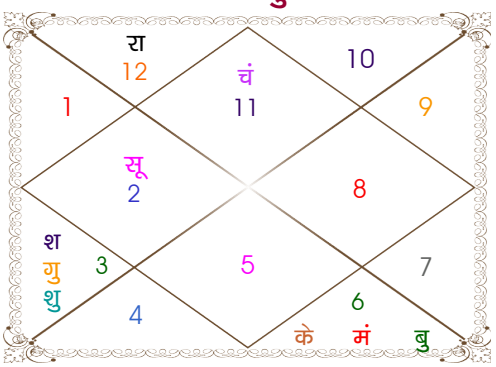

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 7 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/04/2005		30/11/2009		29/11/2016		29/11/2036		30/11/2042	
30/11/2009		29/11/2016		29/11/2036		30/11/2042		29/11/2052	
	00/00/0000	केतु	28/04/2010	शुक्र	31/03/2020	सूर्य	19/03/2037	चंद्र	30/09/2043
	00/00/0000	शुक्र	28/06/2011	सूर्य	31/03/2021	चंद्र	18/09/2037	मंगल	30/04/2044
	00/00/0000	सूर्य	03/11/2011	चंद्र	30/11/2022	मंगल	24/01/2038	राहु	30/10/2045
	00/00/0000	चंद्र	03/06/2012	मंगल	30/01/2024	राहु	18/12/2038	गुरु	01/03/2047
	00/00/0000	मंगल	30/10/2012	राहु	30/01/2027	गुरु	06/10/2039	शनि	30/09/2048
	00/00/0000	राहु	18/11/2013	गुरु	30/09/2029	शनि	17/09/2040	बुध	01/03/2050
	18/04/2005	गुरु	24/10/2014	शनि	29/11/2032	बुध	25/07/2041	केतु	30/09/2050
गुरु	23/03/2007	शनि	03/12/2015	बुध	30/09/2035	केतु	30/11/2041	शुक्र	31/05/2052
शनि	30/11/2009	बुध	29/11/2016	केतु	29/11/2036	शुक्र	30/11/2042	सूर्य	29/11/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/11/2052		30/11/2059		30/11/2077		30/11/2093		30/11/2112	
30/11/2059		30/11/2077		30/11/2093		30/11/2112		00/00/0000	
मंगल	28/04/2053	राहु	12/08/2062	गुरु	18/01/2080	शनि	03/12/2096	बुध	29/04/2115
राहु	16/05/2054	गुरु	05/01/2065	शनि	31/07/2082	बुध	13/08/2099	केतु	25/04/2116
गुरु	22/04/2055	शनि	12/11/2067	बुध	05/11/2084	केतु	21/09/2100	शुक्र	24/02/2119
शनि	31/05/2056	बुध	31/05/2070	केतु	12/10/2085	शुक्र	22/11/2103	सूर्य	01/01/2120
बुध	28/05/2057	केतु	19/06/2071	शुक्र	12/06/2088	सूर्य	03/11/2104	चंद्र	01/06/2121
केतु	24/10/2057	शुक्र	19/06/2074	सूर्य	31/03/2089	चंद्र	04/06/2106	मंगल	29/05/2122
शुक्र	24/12/2058	सूर्य	13/05/2075	चंद्र	31/07/2090	मंगल	14/07/2107	राहु	16/12/2124
सूर्य	01/05/2059	चंद्र	11/11/2076	मंगल	07/07/2091	राहु	20/05/2110	गुरु	19/04/2125
चंद्र	30/11/2059	मंगल	30/11/2077	राहु	30/11/2093	गुरु	30/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।